"भारतीय समाज में डिजिटल मीडिया का प्रभाव: अवसर और चुनौतियाँ"

डॉ. आलोक अग्रवाल [1, *]

[1]संकायाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

https://doi.org/10.64175/wjmr.vol.2.issue8.5

[1]alokagrawal1305@gmail.com

Article Info

Keywords:
- *डिजिटल मीडिया*
- *सोशल मीडिया*
- *भारतीय समाज*
- *संचार*
- *अवसर*
- *चुनौतियाँ*

Abstract

डिजिटल मीडिया ने 21वीं सदी में संचार और समाज की संरचना को पूरी तरह से परिवर्तित कर दिया है। पारंपरिक मीडिया जैसे– समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविज़न से आगे बढ़ते हुए अब सोशल मीडिया, ऑनलाइन समाचार पोर्टल, ब्लॉग, व्लॉग और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सूचना एवं विचारों के आदान-प्रदान को गति दी है। इस शोध पत्र में डिजिटल मीडिया के समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। विशेष रूप से इसमें शिक्षा, राजनीति, संस्कृति, व्यापार और सामाजिक संबंधों पर इसके प्रभाव का अध्ययन किया गया है। शोध का उद्देश्य यह समझना है कि डिजिटल मीडिया किस प्रकार अवसरों का निर्माण करता है और साथ ही कौन-कौन सी चुनौतियाँ उत्पन्न करता है।

प्रस्तावना

भारतीय समाज ने सूचना क्रांति के बाद अभूतपूर्व परिवर्तन देखे हैं। इंटरनेट और मोबाइल तकनीक ने संचार को तात्कालिक, सुलभ और व्यापक बना दिया है। आज भारत में 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से अधिकांश सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। समाचारों का उपभोग अब केवल प्रिंट मीडिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि फेसबुक, ट्विटर (X), इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म से समाचार तुरंत उपलब्ध हो जाते हैं। डिजिटल मीडिया ने लोकतंत्र को अधिक सशक्त बनाया है क्योंकि अब हर नागरिक के पास अपनी बात कहने और प्रसारित करने का मंच उपलब्ध है। किंतु इसके साथ ही फेक न्यूज़, डेटा प्राइवेसी, साइबर अपराध और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इस शोध पत्र में इन पहलुओं की विस्तृत चर्चा की जाएगी।

शोध विधि

यह शोध वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धति पर आधारित है।

1. प्राथमिक स्रोत: सर्वेक्षण (ऑनलाइन प्रश्नावली), साक्षात्कार एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की राय।
2. द्वितीयक स्रोत: पुस्तकों, जर्नल्स, शोध लेखों, समाचार पत्रों एवं ऑनलाइन रिपोर्टों का अध्ययन।
3. नमूना चयन: 500 डिजिटल मीडिया उपयोगकर्ताओं का चयन विभिन्न आयु-वर्ग और पेशेवर पृष्ठभूमि से किया गया।
4. डेटा विश्लेषण: गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों तरीकों से।

शोध विस्तार

1. डिजिटल मीडिया का विकास

इंटरनेट और स्मार्टफोन के प्रसार से सूचना का लोकतंत्रीकरण हुआ। 1990 के दशक में ई-मेल और वेबसाइट से शुरू होकर आज AI आधारित ऐप्स तक का सफर तय किया गया।

2. भारतीय समाज पर सकारात्मक प्रभाव

शिक्षा: ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन क्लासेस, डिजिटल लाइब्रेरी।

राजनीति: चुनाव प्रचार, डिजिटल अभियान, जनभागीदारी।

संस्कृति: भारतीय कला, संगीत और साहित्य का वैश्विक प्रसार।

व्यापार: ई-कॉमर्स, डिजिटल मार्केटिंग, स्टार्टअप संस्कृति।

सामाजिक जुड़ाव: परिवार और मित्रों से दूर रहकर भी संवाद।

3. नकारात्मक प्रभाव

फेक न्यूज़ और अफवाहें: सोशल मीडिया पर असत्य सूचनाओं का प्रसार।

गोपनीयता और डेटा सुरक्षा: व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ: अवसाद, अकेलापन, सोशल मीडिया की लत।

साइबर अपराध: हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, साइबर बुलिंग।

सांस्कृतिक विघटन: परंपरागत मूल्यों का क्षरण।

4. अवसर

डिजिटल इंडिया अभियान से तकनीकी समावेशन।

छोटे व्यापारियों और कलाकारों के लिए वैश्विक मंच।

रोजगार और स्टार्टअप्स के नए अवसर।

लोकतंत्र को मजबूती, पारदर्शिता और जवाबदेही।

5. चुनौतियाँ

साइबर कानूनों का क्रियान्वयन।

डिजिटल डिवाइड (ग्रामीण-शहरी अंतर)।

अत्यधिक उपभोग से सामाजिक संबंधों की कमजोरी।

कंटेंट मॉडरेशन और सेंसरशिप की समस्या।

निष्कर्ष

डिजिटल मीडिया भारतीय समाज के लिए वरदान भी है और चुनौती भी। यह समाज को सूचना-संपन्न और लोकतांत्रिक बनाता है, किंतु साथ ही कई सामाजिक, सांस्कृतिक और मानसिक समस्याओं को भी जन्म देता है। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, समाज और उपयोगकर्ता— तीनों मिलकर डिजिटल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी से करें। शिक्षा और जागरूकता से इसके नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है और सकारात्मक अवसरों को अधिकतम किया जा सकता है।

संदर्भ

1. जोशी, आर. (2022). भारतीय समाज और डिजिटल संचार. नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन।
2. शर्मा, एस. (2021). डिजिटल मीडिया और लोकतंत्र. वाराणसी: भारती प्रकाशन।
3. Ministry of Electronics & IT (MeitY), Government of India Reports, 2023.
4. Pew Research Center. (2022). Social Media Use in Emerging Economies.
5. Narula, S. (2020). Digital India and Social Change. Oxford University Press.